

न्यायालय जिला कलेक्टर, दौसा

पीठासीन अधिकारी— देवेन्द्र कुमार  
आई0ए0एस0

प्रा0 पत्र सं0 99/2024 प्रा.पत्र सुपुर्दगीनामा  
महबूब कुरैशी पुत्र सरफुददीन जाति मुसलमान निवासी मकान नंबर 528, मेहनत नगर,  
हटवाडा रोड जयपुर जरिये मुख्तार आम

...प्रार्थी

बनाम

सरकार जरिए अभियोजन अधिकारी, दौसा



...अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र सुपुर्दगी अंतर्गत एफ.आई.आर. नंबर 444/2024 पुलिस थाना लालसोट  
जिला दौसा अंतर्गत धारा 3, 5, 8 राज0 गोवंश अधिनियम 1995

उपस्थित: 1. श्री हंसराज बैरवा, अधिवक्ता प्रार्थी

2. श्री अविनाश माथुर, अभियोजन अधिकारी दौसा

निर्णय

दिनांक 17.01.2025

- संक्षिप्त विवरण प्रार्थना पत्र सुपुर्दगीनामा इस प्रकार है कि थानाधिकारी पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा द्वारा दिनांक 02.09.2024 को 04 गोवंश भरकर ले जा रही पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 को अभियोग संख्या 444/2024 अंतर्गत धारा 3, 5, 8 गोवंश अधिनियम 1995 में जब्त किया गया। पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा द्वारा उक्त पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 को सुपुर्दगी पर दिये जाने हेतु प्रार्थी द्वारा प्रा0पत्र प्रस्तुत किया गया है।
- प्रा0 पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मय केस डायरी तलब की गई। प्रार्थना पत्र सुपुर्दगीनामा की एक प्रति अभियोजन अधिकारी को दी गई। उभय पक्ष की बहस सुनी गई।
- अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा सुपुर्दगीनामा प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए बहस में कथन किया कि उनवानी प्रकरण में प्रार्थी मुख्तारआम का वाहन पिक अप नंबर आरजे 32 जी.सी. 1349 को पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा द्वारा उक्त प्रकरण में जब्त किया गया है। प्रार्थी उक्त वाहन का मुख्तारआम स्वामी है। प्रार्थी का उक्त वाहन लोडिंग पिक अप जो कि पुलिस थाना लालसोट में जब्त है जिससे प्रार्थी को अपने वाहन के अभाव में अपूरणीय क्षति हो रही है। पुलिस को उक्त वाहन की अब कोई आवश्यकता नहीं है। उक्त वाहन में प्रार्थी जिस व्यक्ति की गाय व बछड़े लेकर जा रहा था उसका पुलिस वालों से संपर्क भी कराया था लेकिन पुलिस ने प्रार्थी की एक नहीं सुनी और उक्त गाय जिस पक्षकार की थी उस पक्षकार ने थाने से सुपुर्दगी पर भी ले ली है। प्रार्थी किसी भी अवैध प्रकार से गायों को नहीं ले जा रहा था। प्रार्थी का वाहन पुलिस थाने में खडा खडा खराब हो रहा है तथा धूल मिटटी व बारिश से खराब होने की आशंका है। माननीय न्यायालय जब भी उक्त वाहन को तलब करेगी प्रार्थी स्वयं के खर्चे पर प्रस्तुत कर देगा। प्रार्थी माननीय न्यायालय की संतुष्टि हेतु सुपुर्दगीनामा व जमानतनामा प्रस्तुत करने को तैयार व तत्पर है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा द्वारा जब्तशुदा पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 को सुपुर्दगी पर प्रार्थी को दिये जाने के आदेश प्रदान करावें।
- अभियोजन अधिकारी ने बहस में दलील दी कि दिनांक 2.9.2024 को पिक अप नंबर आर.जे. 32 जी.सी. 1349 में गौ तस्करी हेतु ले जा रहे थे जिनको पुलिस थाना लालसोट द्वारा जब्त किया गया था। जब्तशुदा वाहन में 04 गोवंश भरे हुए थे जिनका मुंह व चारों पैर

जिला कलेक्टर, दौसा

बांधकर पिक अप में ठूस ठूस कर भरे हुए थे। उक्त गोवंश की खरीद फरोख्त बाबत कोई रसीद प्रार्थी के पास उपलब्ध नहीं होना व्यक्त किया। अभी तक पुलिस द्वारा प्रकरण में अनुसंधान भी पूर्ण नहीं किया है। प्रार्थी द्वारा गोवंश पशुधन को विधिक रूप से कय किये जाने का कोई प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जाना पाया गया है। पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा द्वारा प्रकरण में जब्तशुदा पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 को 04 गो वंश का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया है। यदि प्रार्थी को वाहन सुपुर्दगी पर दिया जाता है तो पुलिस द्वारा वाहन के अभाव में अनुसंधान समुचित प्रकार से नहीं हो सकेगा। अतः प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र सुपुर्दगीनामा खारिज फरमाया जावे।

5. इस संबंध में राज. गोवंशीय पशु अधिनियम की धारा 6 ए के प्रावधान निम्नानुसार है जो अवलोकनीय है:-

“ 1 6-A. Confiscation of the means of conveyance.- (1) Whenever an offence punishable under this Act is committed, any means of conveyance used in the commission of such offence shall be liable to confiscation.

(2) Where any means of conveyance referred to in sub-section (1) is seized in connection with the commission of any offence punishable under this Act, a report of such seizure shall, without unreasonable delay, be made by the person seizing it to the Competent Authority and whether or not a prosecution is instituted for commission of such offence, the Competent Authority, having jurisdiction over the area where the said means of conveyance was seized, may, if satisfied that the said means of conveyance was used for commission of offence under this Act, order confiscation of the said means of conveyance:

Provided that before ordering confiscation of the said means of conveyance a reasonable opportunity of being heard shall be afforded to the owner of the said means of conveyance and if such owner satisfies the Competent Authority that he had no reason to believe that such offence was being or likely to be committed and he had exercised due care in the prevention of the commission of such an offence, the Competent Authority may not confiscate the said means of conveyance:

Provided further that where such means of conveyance is owned by the Central Government or any State Government or any of their undertaking, no order of confiscation of such means of conveyance shall be passed by the Competent Authority and the matter shall be referred to the State Government by the Competent Authority for making such orders regarding means of conveyance as the State Government may deem fit:

Provided also that before ordering confiscation under this sub-section, the owner of the means of conveyance referred to in sub-section (1), may be given an option to pay, in lieu of confiscation, a fine not exceeding the market price of such means of conveyance:

Provided also that an owner of a means of conveyance shall not be given option under the preceding proviso, if he had been given option under that proviso at an earlier occasion.

(3) Whenever any means of conveyance as referred to in sub-section (1) is seized in connection with commission of an offence under this Act, the Competent Authority shall have, and notwithstanding anything contained in



  
जिला कलेक्टर, दौसा

any law for the time being in force, any Court, Tribunal or other authority shall not have, jurisdiction to make order with regard to the possession, delivery, disposal or release of such means of conveyance.

(4) Where the Competent Authority is of the opinion that it is expedient in public interest or for the benefit of its owner that the means of conveyance, as referred to in sub-section (1), seized for commission of offence under this Act be sold by public auction, he may at any time direct it to be sold.

(5) Any order of confiscation made by the Competent Authority shall not prevent the infliction of any punishment to which the person affected thereby is liable under this Act.”.

5. हमने पत्रावली व केस डायरी तथा तथ्यात्मक रिपोर्ट का अवलोकन किया तथा बहस उभयपक्ष पर मनन किया गया। जिससे जाहिर आया कि बिना चिकित्सक परीक्षण रिपोर्ट व बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुज्ञा के पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 में दूंस-2 कर निर्दयतापूर्वक कुल 04 गोवंश को भरकर गोकशी के लिए ले जाता पाया गया है जिस पर पुलिस थाना लालसोट द्वारा मुकदमा सं० 444/2024 दिनांक 2.9.2024 को प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई। उक्त पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 वाहन मालिक सोहेल कुरैशी पुत्र महबूब कुरैशी निवासी 528, मेहनत नगर, हटवाडा रोड जयपुर का होना आर०सी० दिनांक 02.11.2018से प्रकट है जिसका बीमा दिनांक 07.09.2025 तक प्रभावी था। प्रार्थी ने प्रकरण में जब्तशुदा वाहन बाबत पुलिस को वाहन की कोई आवश्यकता नहीं होना बताते हुए वाहन थाना परिसर लालसोट में खुले में खड़ा होने से उसके खराब होने का अंदेशा जाहिर करते हुए सुपुर्दगी में दिये जाने का निवेदन किया है। ऐसे में सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जब्तशुदा पिक अप वाहन संख्या आरजे 32 जी.सी. 1349 को प्रार्थी की सुपुर्दगी में 3,70,000/-रु० के जमानतनामा व सुपुर्दगीनामा पर देने के आदेश निम्न शर्तों की पालना के अध्यक्षीन दिया जाता है:-

1. वाहन को रहन/बेचान नहीं करेगा।
  2. बीमा अवधि समाप्त होने से पूर्व वाहन का बीमा रिन्युअल करवायेगा।
  3. वाहन का रंग रोगन परिवर्तित नहीं करेगा।
  4. जब भी न्यायालय वाहन को तलब करेगा, अपने खर्चे पर साक्ष्य हेतु पेश करेगा। (इस हेतु वह अपना स्थाई पता, दूरभाष नंबर, ई मेल एड्रेस, व व्हाट्सअप नंबर शपथ पत्र पर प्रस्तुत करे)
6. साथ ही प्रार्थी उक्त वाहन के जुर्माने के रूप में 1,00,000/-रु० (अक्षरे एक लाख रूपये मात्र) राजकोष में जमा करवाकर रसीद, मोचन आदेश (रिलीज ऑर्डर) एवं वाहन के स्वामी होने के प्रमाण के मूल दस्तावेज थानाधिकारी पुलिस थाना लालसोट को प्रस्तुत कर दे तो वाहन प्रार्थी की सुपुर्दगी में दे दिया जावे। निर्णय की प्रति थानाधिकारी पुलिस थाना लालसोट को प्रेषित की जावे। पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा की मूल केस डायरी निर्णय की प्रति के साथ लौटाई जावे। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नंबर से कम हो। बाद पूर्ति पत्रावली प्रविष्ट लेख भंडार हो।

निर्णय आज दिनांक 17.01.2025 को खुले न्यायालय सुनाया गया।



(देवेन्द्र कुमार)  
जिला कलेक्टर, दौसा